तापमान

अधिकतम 36.0 डिग्री

न्यूनतम 21.0 डिग्री

हरिभूमि

कांकेर भूमि

रायपुर, गुरुवार 12 मार्च 2026

13 जनगणना के प्रथम चरण में भवन, मकानों पर नंबर ...

13 इंद्रावती एनीकेट की मरम्मत के लिए ...

खबर संक्षेप

कृषि विकास परिषद के अध्यक्ष का स्वागत

कांकेर। छत्तीसगढ़ कृषि विकास परिषद के अध्यक्ष सुरेंद्र चंद्रवंशी के कांकेर आगमन पर भाजपा किसान मोर्चा द्वारा उनका जोरदार स्वागत किया गया। शहर पहुँचते ही कार्यकर्ताओं ने गगनभेदी नारों और भव्य आतिशबाजी के साथ उनकी अगवानी की। स्वागत कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक ठाकुर, किसान संघ के जिला अध्यक्ष नरेंद्र नागेश, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष हेमेंद्र बंटी ठाकुर, महामंत्री जीतू मरकाम और खेम तिवारी उपस्थित रहें। साथ ही जिला उपाध्यक्ष रूपेश्वर ठाकुर, पुष्पेंद्र सिंह, जिला मीडिया प्रभारी आदीप शर्मा मिंटू, मंडल अध्यक्ष प्रवेश चौहान, महामंत्री सुनील ठाकुर, नितिन दवे, बाबा गोस्वामी, नीलकंठ चंद्रौल, गजेंद्र यादव, पियूष वलेचा, घनेन्द्र ठाकुर, राजू नेताम, धर्मेंद्र देव, दुष्यंत निर्मलकर, सौरभ, चंद्रशेकर साहू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहें।

विश्व प्लंबर दिवस पर कियागया जागरूकता कार्यक्रम

कांकेर। विश्व प्लंबर दिवस के अवसर पर लाइवलीहुड कॉलेज गोविंदपुर में बिंग से जुड़े कौशल, स्वच्छता और जल संरक्षण के महत्व पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को हैंडपंप मरम्मत, क्लोरीनेटर मशीन, पाइपलाइन मरम्मत, सुरक्षित कार्य पद्धति तथा प्लंबिंग क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की जानकारी दी गई। इसी क्रम में ग्राम गौरगांव में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में सरपंच, उपसरपंच, जल बहिनी महिला समिति के सदस्य तथा ग्रामीण उपस्थित रहे।

पेंशनधारी कल्याण संघ का शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न

कांकेर। छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ पंजीयन क्रमांक 1881 जिला शाखा कांकेर के नवगठित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम बस्तर संभाग के वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया, जिसमें संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ के प्रांतीय प्रवक्ता गोपाल साही, संभागीय उपाध्यक्ष आनंद भदौरिया, संभागीय सचिव कृष्णा महतो तथा संभागीय संगठन सचिव सैयद इकरम अली विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संभागीय अध्यक्ष जीएस पाण्डे ने की, जबकि उगेशवरी उइके मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

नेशनल लोक अदालत की सफलता को लेकर तैयार की गई रणनीति

कांकेर में 14 मार्च को होगी नेशनल लोक अदालत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

अलग खबर

आम लोगों को त्वरित, सस्ता और सरल न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 14 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने के लिए जिला न्यायालय कांकेर में बुधवार को जिला न्यायालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लेकर व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा किया गया।

बैठक में यह रहे शामिल

आयोजित बैठक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजीव कुमार टामक, कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर, भास्कर मिश्र मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, शांति प्रभु जैन, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कांकेर, कार्यपालन अभियंता, कोर्ट मैनेजर तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आयोजित बैठक के दौरान नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए आवश्यक प्रशासनिक, तकनीकी और विधिक व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि अधिक से अधिक लंबित मामलों का आपसी सहमति से निराकरण किया जा सके, जिससे आम नागरिकों को त्वरित राहत मिल सके। बैठक में संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने, तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने तथा जनसामान्य तक नेशनल लोक अदालत की जानकारी व्यापक रूप से पहुंचाने के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। अधिकारियों को ▶▶|शेष पेज 12 पर

कांकेर जिले में बचे हैं 20 नक्सली, पुलिस लगातार समर्पण करने की कर रही अपील

कोयलीबेड़ा के जंगलों में पुलिस एवं नक्सलियों के बीच मुठभेड़, आधे घंटे तक चली फायरिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के नक्सल प्रभावित कोयलीबेड़ा और परतापुर क्षेत्र में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ होने की खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार सुरक्षा बलों की टीम नियमित सर्चिंग अभियान पर बीती रात इलाके के जंगलों में निकली हुई थी। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे नक्सलियों ने जवानों की गतिविधियों पर नजर रखते हुए अचानक फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई गोलीबारी से कुछ समय के लिए हालात तनावपूर्ण हो गए। हालांकि सुरक्षा बलों ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। बताया जा रहा है कि करीब आधे घंटे तक दोनों ओर से रुक-रुक कर गोलियां चलती रहीं। जंगल और पहाड़ी इलाका होने के कारण स्थिति काफी चुनौतीपूर्ण बनी रही। सुरक्षा बलों की सतर्कता और रणनीति के चलते नक्सली ज्यादा देर तक टिक नहीं पाए। मुठभेड़ के दौरान वे घने जंगलों का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। फिलहाल इस घटना में किसी के हताहत होने की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन पूरे इलाके में सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता बढ़ा दी है। मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने कोयलीबेड़ा और परतापुर के आसपास के जंगलों में सघन सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। अतिरिक्त जवानों को भी इलाके में तैनात किया गया है ताकि नक्सलियों की मौजूदगी का पता लगाया जा सके और उन्हें पकड़ने की कार्रवाई की जा सके। सुरक्षा एजेंसियां लगातार इलाके में कॉम्बिंग ऑपरेशन चला रही हैं।

नक्सलियों के लिए अनुकूल जगह

कोयलीबेड़ा और परतापुर का इलाका लंबे समय से नक्सल गतिविधियों के लिए संवेदनशील माना जाता रहा है। यहां समय-समय पर सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ की घटनाएं सामने आती रही हैं। घने जंगल और पहाड़ी भूगोल के कारण यह क्षेत्र नक्सलियों के लिए छिपने और गतिविधियां संचालित करने के लिहाज से अनुकूल माना जाता है। इसी वजह से सुरक्षा बल लगातार इस इलाके में अभियान चलाकर नक्सल नेटवर्क को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

आपरेशन खत्म होने के बाद मिलेगी सही जानकारी

पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के अनुसार कोयलीबेड़ा और परतापुर क्षेत्र में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ की सूचना मिली है। सुरक्षा बलों की टीम सर्चिंग पर निकली थी, उसी दौरान यह मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद पूरे इलाके में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि मुठभेड़ में शामिल नक्सलियों की संख्या कितनी थी और वे किस संगठन से जुड़े हुए थे। ऑपरेशन खत्म होने के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

चरणबद्ध प्रशिक्षण आयोजित

कलेक्टर निलेश ने स्वयंसेवकों को किया प्रमाण-पत्र वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

हमारा गाँव कार्यक्रम के अंतर्गत कांकेर जिले के चार विकासखंड नरहरपुर, भानुप्रतापपुर, चारामा एवं कांकेर के चयनित 100 गाँवों में जनवरी 2026 से गणित कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप जनवरी फरवरी माह में गाँव के चयनित स्वयंसेवकों द्वारा संचालित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेवकों का चयन शिक्षक, सरपंच, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं एवं ग्राम प्रतिनिधियों द्वारा किया गया। चयनित स्वयंसेवकों का चारों विकासखंडों में चरणबद्ध प्रशिक्षण आयोजित किया गया। गणित कैंप का मुख्य उद्देश्य 30 से 40 दिनों की अवधि में कक्षा 3 से 5 के उन बच्चों को शैक्षणिक सहयोग प्रदान करना था, जिन्हें किसी कारणवश गणित में घटाव तक की संक्रियाएँ हल करने में कठिनाई हो रही थी। बच्चों के मन से गणित का भय दूर करने तथा खेल-खेल में सीखने का अवसर प्रदान करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल रही। ऐसे बच्चों को कैंप से जोड़कर उनकी सीखने की क्षमता में सुधार किया गया। कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित रहे कक्षा 3 से 5 के बच्चों में गणित की बुनियादी समझ को मजबूत करना। बच्चों को 100 तक की संख्याओं के साथ जोड़-घटाव की अवधारणाएँ समझाना। स्थानीय युवाओं एवं स्वयंसेवकों को शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन में सक्षम बनाना। समुदाय स्तर पर बच्चों के लिए सीखने का सहयोगी वातावरण तैयार करना। प्रशिक्षण के ▶▶|शेष पेज 12 पर

भूमिपूजन के साथ सुभाषपारा खेल मैदान में बाउंड्री वॉल के निर्माण का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भानुप्रतापपुर

नगर के सुभाषपारा खेल मैदान में प्रस्तावित बाउंड्री वॉल निर्माण को लेकर पिछले कुछ दिनों से चल रहे विवाद के बीच बुधवार को विधिवत भूमि पूजन के साथ निर्माण कार्य की शुरुआत कर दी गई। नगर पंचायत अध्यक्ष निखिल सिंह राठौर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों की मौजूदगी में भूमि पूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के बाद मैदान परिसर में जेसीबी मशीन से खुदाई का कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया।

लंबे समय से इस मैदान की सुरक्षा और सुव्यवस्था को लेकर बाउंड्री वॉल निर्माण की मांग उठती रही है। नगर के खेल प्रेमियों और स्थानीय लोगों का कहना है कि मैदान खुला होने के कारण यहां अक्सर अव्यवस्थित गतिविधियां होती रहती थीं। ऐसे में मैदान को सुरक्षित करने और इसके संरक्षण के उद्देश्य से बाउंड्री वॉल निर्माण की योजना बनाई गई, जिसकी औपचारिक शुरुआत बुधवार को भूमि पूजन के साथ कर दी गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुभाषपारा मैदान नगर का एक प्रमुख और पुराना खेल मैदान है, जहां वर्षों से बच्चे और युवा क्रिकेट, फुटबॉल सहित अन्य खेल गतिविधियों का अभ्यास करते रहे हैं। मैदान की सुरक्षा के लिए बाउंड्री वॉल बनने से खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और मैदान का बेहतर उपयोग हो सकेगा। इधर सुभाषपारा स्थित स्कूल मैदान में बाउंड्री वॉल निर्माण को लेकर चर्चाओं और इसे रोकने की बात सामने आने के बाद सरस्वती शिशु मंदिर के कई पूर्व छात्र भी मौके पर पहुंच गए। पूर्व विद्यार्थियों ने कहा कि इस मैदान से उनका भावनात्मक जुड़ाव रहा है और उनके बचपन की कई यादें इस मैदान से जुड़ी हुई हैं। उनका कहना था कि वर्षों से यहां खेलकूद और विभिन्न सामाजिक गतिविधियां होती रही हैं, इसलिए मैदान का संरक्षण और विकास आवश्यक है। उन्होंने बाउंड्री वॉल निर्माण को मैदान की सुरक्षा के लिए जरूरी बताते हुए निर्माण कार्य का समर्थन किया। भूमि पूजन के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष ने मैदान को लेकर फैल रही भ्रांतियों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों द्वारा यह ▶▶|शेष पेज 12 पर

मैदान नगर पंचायत की संपत्ति है, जिस पर किसी संस्था विशेष का अधिकार नहीं

श्रीवास सेन समाज के महासम्मेलन में समाज को संगठित एवं मजबूत करने पर दिया जोर

मरकाटोला के सम्मेलन में सगाई व शादी में बरातियों की संख्या किया गया विचार-विमर्श

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धनेलीकन्हार

श्रीवास सेन समाज परिक्षेत्र कांकेर की वार्षिक महासम्मेलन ग्राम मरकाटोला फत्तेचंद के यादव भवन में 9 मार्च की संध्या 6 बजे से संत श्रीनंदा सेन महराज व बजरंग बली के छायाचित्र की पुजा अर्चना व आरती के साथ शुरू हुई। समाजिक पदाधिकारियों के स्वागत के पाश्चात्य अध्यक्ष शैलेंद्र कौशिक ने बैठक की ऐजेन्डा प्रस्तुत करते हुए स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए कहा की वर्तमान परिस्थिति में कई लोग समाज को कमजोर कर तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं व इसी के चलते जिला सर्व सेन समाज ग्रामीण के गठन की प्रक्रिया चल रही है। आने वाले समय में शसक्त व संगठित समाज देखने को मिलेगा।

सम्मेलन में जिला श्रीवास सेन समाज के अध्यक्ष कैलाश सेन ने कहा की समाज की मजबूती के लिए हम सभी में सहयोग व सेवा की भावना होनी चाहिए। समाज की बेटीयों को अपनी माता, पिता के मृत्यु पश्चात कंधा देने का अधिकार पुर्व के सम्मेलन में लिया गया है जिसकी जानकारी दी। उन्होंने मानव समाज के तीनों संस्कार जन्म, मृत्यु व शादी संस्कार समय पर करने जोर दिया। नामकरण संस्कार छह दिन में करने व विशेष परिस्थिति में एक माह के अंदर करने की बात कही और साथ ही शादी गधौली बेला में करने, सगाई व शादी में बरातियों की संख्या पर ध्यान देने की बात कही। केश शिल्पी सम्मेलन रद्द करने, प्रदेश उपाध्यक्ष के सर्वोच्च पद पर आसीन अविनाश ठाकुर के कृत्य व सेन समाज की बालिकाओं के निर्मित छात्रावास भवन में सेलुन संध कांकेर लिखने की कड़ी निंदा की। सम्मेलन में सचिव हरिशंकर सेन ने वार्षिक आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। युवा प्रकोष्ठ ▶▶|शेष पेज 12 पर

ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज कुश्ती में पदक की हैट्रिक

कांकेर। खेल जगत में जिले का परचम लहराते हुए पीटीआई मनोज कुमार साहू ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। हिमाचल प्रदेश के मंडी में आयोजित ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज कुश्ती में मनोज कुमार साहू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही उन्होंने लगातार तीसरे साल पदक जीतकर जीत की ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी की है। इस गौरवशाली उपलब्धि पर जिला कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने हर्ष व्यक्त किया। जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद ने मनोज कुमार साहू को रंग-गुलाल लगाकर जीत का जश्न मनाया और उनका उत्साहवर्धन किया। चारामा विकासखंड के व्यायाम शिक्षकों सहित विद्यालय परिवार ने भी इस जीत पर खुशी जाहिर की है।

ग्रामीणों ने अतिक्रमण और लापरवाही का लगाया था आरोप

तहसीलदार ने कोड़ेकुर्से कोटवार को पद से किया पृथक, ग्रामीणों में हर्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गूकोंदल

तहसील दुर्गूकोंदल अंतर्गत ग्राम कोड़ेकुर्से में लंबे समय से चल रहे विवाद के बीच तहसीलदार ने प्रशासनिक फैसला लेते हुए ग्राम कोटवार पदुम सिंह रावटे को उनके पद से पृथक कर दिया है। शासकीय भूमि पर अतिक्रमण, ग्राम कार्यों में लापरवाही और ग्रामीणों के साथ विवाद जैसे आरोपों की जांच के बाद यह कार्रवाई की गई। आदेश जारी होते ही गांव में खुशी का माहौल बन गया और ग्रामीणों ने रंग-गुलाल खेलकर अपना उत्साह व्यक्त किया।

जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई ग्राम के सात ग्रामीणों द्वारा की गई शिकायत, जांच प्रतिवेदन तथा ग्राम पंचायत के प्रस्ताव के आधार पर की गई। शिकायतकर्ता नारायण सिंह पटेल, अजीत कुमार हिड़को, रघुनंदन गिरी गोस्वामी, ओमप्रकाश मरकाम, बसंत लाल दुग्गा, महेश तथा सखाराम हिड़को ने तहसील न्यायालय में प्रस्तुत आवेदन में आरोप लगाया था कि कोटवार पदुमसिंह रावटे का व्यवहार गांव के लोगों के प्रति ठीक नहीं है और वे अपने कर्तव्यों का समुचित पालन नहीं कर रहे हैं। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता लीला भुआर्य के साथ उनका विवाद हुआ था, जिसकी रिपोर्ट थाना कोड़ेकुर्से में दर्ज की गई थी। आरोपों में यह भी कहा गया कि पदुमसिंह रावटे ने शासकीय भूमि खसरा नंबर 400 में लगभग 50 डिसमिल भूमि पर अवैध अतिक्रमण कर खेती कर ली थी। साथ ही ग्राम के प्रमुख लोगों के साथ अभद्र व्यवहार, पंचायत कार्यों में सहयोग नहीं देना तथा मुनादी जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का सही ढंग से निर्वहन नहीं करना भी शिकायत में शामिल था। ग्रामीणों का कहना था कि ऐसी स्थिति में उनके पद पर बने रहने से गांव की शांति व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। ग्राम पटेल लगातार शासकीय भूमि पर अतिक्रमणा कर रहे है और ग्रामीणों से विवाद करते है।

ग्रामीणों ने हर्षोल्लास से खेला रंग

कोटवार को हटाने का आदेश जारी होने की जानकारी मिलते ही गांव में उत्साह का माहौल देखा गया। ग्रामीणों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर खुशी मनाई। इस दौरान बसंत दुग्गा, सखाराम हिड़को, फत्ते सिंह मरकाम, नारायण पटेल, अमरचंद जैन, महेश जैन, ओम मरकाम, रघुनंदन गोस्वामी, अशोक रावटे, विमल पटेल, भीखम सिन्हा, गंगाराम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद हुआ आदेश

ग्रामीणों की शिकायत पर तहसीलदार दुर्गूकोंदल में राजस्व प्रकरण क्रमांक 202510142900002/31 -56/2025-28 दर्ज किया गया और सभी पक्षों की सुना गया। प्रकरण की सुनवाई के दौरान तहसील न्यायालय ने दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए और हल्का पटवारी से जांच प्रतिवेदन प्राप्त किया। जांच में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण की पुष्टि हुई और कोटवारी पद को लेकर गांव में विवाद की स्थिति भी सामने आई। ग्राम पंचायत कोड़ेकुर्से द्वारा भी प्रस्ताव पारित कर पद्मसिंह रावटे को पद से हटाने की अनुशंसा की गई थी। सभी दस्तावेजों और तथ्यों का परीक्षण करने के बाद तहसीलदार ने छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 230 नियम-5 के तहत पद्मसिंह रावटे को कोटवार पद से पृथक करने का आदेश जारी किया।

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने ईवीएम स्ट्रांग रूम का किया त्रैमासिक निरीक्षण

कोण्डागांव। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने बुधवार को कोंडागांव स्थित ईवीएम स्ट्रांग रूम का त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस दौरान स्ट्रांग रूम को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोला गया और अंदर रखी मशीनों तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरों से हो रही निगरानी की भी जांच की, ताकि ईवीएम की सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर 12 व13 मार्च को

कोण्डागांव। राज्य शासन की मंशा के अनुरूप ग्रामीणों की मांगों और समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार जिले में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। पहला शिविर 12 मार्च को सुबह 10 बजे से कोण्डागांव विकासखंड के ग्राम बड़ेबेंदरी में आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनेंगे और उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे।इसी क्रम में 13 मार्च को सुबह 10 बजे से कोण्डागांव विकासखंड के ग्राम मटवाल में दूसरा जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया जाएगा। जिला प्रशासन ने ग्रामवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं रखें और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।

188वीं वाहिनी सीआरपीएफ ने जिला अस्पताल में मनाया स्वैच्छिक रक्तदान दिवस

कोण्डागांव। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल सीआरपीएफ के 87वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 06 मार्च से 10 मार्च 2026 तक रक्तदान शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में 188वीं वाहिनी सीआरपीएफ द्वारा जिला अस्पताल कोण्डागांव में स्वैच्छिक रक्तदान दिवस का आयोजन किया गया। कमाण्डेंट भवेश चौधरी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में 188वीं वाहिनी के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों ने बड़ी संख्या में भाग लेते हुए उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। कार्यक्रम के लिए जिला अस्पताल के चिकित्सकों से समन्वय स्थापित कर शिविर का आयोजन किया गया। कमाण्डेंट भवेश चौधरी ने बताया कि स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है, ताकि जरूरतमंद लोगों को समय पर सुरक्षित और सुलभ रक्त उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और आपका दिया हुआ रक्त किसी की जिंदगी बचा सकता है।

कैश की किल्लत से परेशान किसानों ने एनएच पर किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरसगांव

मुख्यालय में स्तिथ जिला सहकारी बैंक में एक बार फिर से कैश की कमी से नाराज होकर किसानों ने बुधवार को नेशनल हाइवे में प्रदर्शन कर चक्काजाम कर दिया। वही फरसगांव एसडीएम और पुलिस की समझाइस के बाद किसान शान्त हुए तब जाकर जाम को खोलवाया गया ।

धान खरीदी पूरी होने के बाद किसानों के खातों में पैसे आ गए हैं, लेकिन बैंक में कैश की कमी होने के कारण किसानों को उन्ही का पैसा उन्हें आवश्यकता अनुसार नहीं पा रहा है। पैसे नहीं मिलने से आक्रोशित किसानों ने फिर एक बार बुधवार को फरसगांव नगर के अस्पताल चौक में नेशनल हाइवे में जमकर प्रदर्शन किया। जिससे रोड में जाम की स्तिथि बन गई । रोड के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत करने के प्रयास में जुट गई। वही फरसगांव एसडीएम अशवन कुमार पुसाम भी पहुचे ।

और किसानों को समझाइस दिए तब जाकर किसान शान्त हुए और प्रदर्शन बंद किया। तब जाकर चक्काजाम खुल पाया । किसानों ने बताया कि हर साल बैंक में नकदी की कमी से किसान जूझते है, उन्हें उन्ही का पैसा समय पर नही मिल पाता है, बावजूद इसके बैंक पर्याप्त नकदी रकम की व्यवस्था नहीं करती जिसका खामियाजा किसानों को हर साल भुगतना पड़ता है।

एसडीएम व पुलिस की समझाइश के बाद खुला चक्काजाम

दस हजार में लिए 10 घण्टे का इंतजार

किसानों की माने तो उन्हें अपने ही कमाई हुई रकम को पाने के लिए काफी मशक्कत करना पड़ रहा है। बैंक में किसानों को मात्र 10 हजार रुपये दिया जा रहा है, जिसके लिए किसानों को 10 घण्टे का इंतजार करना पड़ता है। भीड़ को देखते हुए किसान सुबह से ही बैंक पहुच जाते हैं और बैंक खुलने का इंतजार करते हैं। अधिक भीड़ लगने से लोग लाइन में खड़े होकर पैसे निकालने इंतजार करते हैं। कभी कभी तो 10 हजार के लिए किसानों को 10 घण्टे का समय लग जाता है । बैंक में अवस्था का आलम है यह हर वर्ष यही स्थिति निर्मित होती है जिससे परेशान होकर इस बार किसानों को सड़क पर उतरना पड़ा। बैंक में कैस की व्यवस्था और व्यवस्थित ढंग से किसानों को पैसा दिया जाना चाहिए।

16 मार्च से शुरू होंगी कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षाएं

प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक वार्षिक परीक्षा की तैयारियों को लेकर बीआरसी में बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव।

प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक केंद्रीकृत वार्षिक परीक्षा 2025 के सुचारु संचालन को लेकर मंगलवार 10 मार्च को स्थानीय बीआरसी कार्यालय कोंडागांव में संकुल प्राचार्यों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा संचालन, मूल्यांकन प्रक्रिया और अन्यनिक कार्यों पर विस्तृत दिशा–निर्देश दिए गए।

बैठक की अध्यक्षता विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री भोयर ने की। इस अवसर पर नोडल अधिकारी बृज कोर्राम तथा सहायक नोडल अधिकारी अशोक कुमार साहू भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने परीक्षा की संपूर्ण रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए संकुल प्राचार्यों को उनकी जिम्मेदारियों और कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि कक्षा 5वीं और 8वीं की वार्षिक परीक्षाएँ 16 और 17 मार्च से प्रारंभ होंगी। परीक्षा के सफल संचालन के लिए केंद्र अध्यक्षों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए तथा परीक्षा प्रपत्रें को सही तरीके से भरने के संबंध में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

अन्य प्रशासनिक कार्यों की भी हुई समीक्षा

परीक्षा संबंधी चर्चा के बाद बैठक में शिक्षा विभाग से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इसमें अपार आईडी, यू–डाइस, शाला भवनों की मरम्मत, जाति प्रमाण पत्र, उल्लास नवभारत साक्षर कार्यक्रम, शौचालय निर्माण, छात्रवृत्ति वितरण तथा अन्य विभागीय योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई। अधिकारियों ने सभी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया।

30 मार्च से शुरू होगा मूल्यांकन कार्य

अधिकारियों ने बताया कि उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य 30 मार्च से प्रारंभ किया जाएगा। मूल्यांकन कार्य को पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों और शिक्षकों को सावधानीपूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए गए।बैठक के दौरान प्राचार्य एन.के. नायक एवं संजय राठौर ने अपने पूर्व अनुभव साझा करते हुए परीक्षा के दौरान होने वाली सामान्य मानवीय भूलों और तकनीकी त्रुटियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी प्राचार्यों को सतर्कता बरतने और परीक्षा प्रक्रिया को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने की सलाह दी।

डीएफओ पर खराब रवैये का लगाया आरोप

फरसगांव/कोंडागांव। वनमंडल कोंडागांव के मैदानी वन कर्मचारियों ने वनमंडलाधिकारी चूड़ामणि सिंह पर अनावश्यक दबाव और तानाशाही रवैये का आरोप लगाते हुए बुधवार को सरगी गार्डन से डीएफओ कार्यालय तक रैली निकाली। कर्मचारियों ने बताया कि फील्ड में कठिन परिस्थितियों में काम करने के बावजूद वेतन रोकने, सीआर खराब करने और स्थानांतरण की धमकी दी जा रही है, जिससे कर्मचारियों में नाराजगी है।

वन कर्मियों का कहना है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं सुना जा रहा और किसी भी समय मोबाइल पर लाइव लोकेशन मांगकर निगरानी रखी जा रही है। कर्मचारियों ने बताया कि होली से पहले बैठक कर समाधान का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक बैठक नहीं हुई।

नाराज कर्मचारियों ने दी कार्य बहिष्कार की चेतावनी

कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि घंटों इंतजार के बावजूद डीएफओ ज्ञापन लेने अपने कार्यालय के बाहर भी नहीं आए, जिससे कर्मचारियों में गहरा आक्रोश बढ़ गया है। नाराज कर्मचारियों ने नारेबाजी करते हुए चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो बीट बस्ता जमा कर कार्य बहिष्कार कर धरने पर बैठेंगे।

ये रहे मौजूद

इस दौरान छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ प्रांतीय पदाधिकारी सुशीला नेताम, मंडल अध्यक्ष चंदन सेठिया, मंडल उपाध्यक्ष अजय कुमार नाग सहित क्षेत्र के डिप्टी रेंजर, बीट गार्ड व बड़ी संख्या में वनकर्मी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने साप्ताहिक समय–सीमा बैठक में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय–सीमा बैठक में विभिन्न शासकीय योजनाओं और निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की महत्वाकांकनाओं का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर हितग्राहियों को समय पर लाभ पहुंचाया जाए तथा निर्माण कार्यों को निर्धारित समय–सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए।

बैठक में सड़क दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल कैशलेस उपचार सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई प्रधानमंत्री राहत योजना के क्रियान्वयन पर विशेष चर्चा की गई। कलेक्टर ने पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दुर्घटनाओं की ऑनलाइन प्रविष्टि पोर्टल के माध्यम से दर्ज करने तथा प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग को पोर्टल में दर्ज मामलों पर नियमित लॉगिन कर त्वरित कार्रवाई करने को कहा।

■ पीएम राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

ई–ऑफिस और ऑनलाइन व्यवस्था पर दिया जोर

बैठक में ई–ऑफिस, ऑनलाइन उपस्थिति और ईएचआरएमएस के प्रभावी संचालन पर भी विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को इन प्रणालियों का नियमित उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ग्रीष्मकाल के लिए पेयजल व्यवस्था की तैयारी : कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए पेयजल की सुचारू व्यवस्था के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसके अलावा जल जीवन मिशन के कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने, मध्यान्ह भोजन योजना के समुचित संचालन तथा धान उठाव के कार्यों में तेजी लाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में डीएफओ चूड़ामणि सिंह, दिव्या गौतम, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई, अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कोंडागांव में बलिराम की जयंती पर मिष्ठान वितरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव।

बस्तर की राजनीति के पुरोधा और जनजातीय समाज के प्रेरणास्रोत बलिराम कश्यप की जन्म जयंती के अवसर पर ग्राम देवी सीतला माता मंदिर, कोंडागांव में श्रद्धा और उत्साह के साथ मिष्ठान्न वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत माँ देवी सीतला माता की विधिवत पूजा–अर्चना से हुई। उपस्थित जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने मंदिर में माथा टेककर प्रदेश और क्षेत्र की सुख–समृद्धि की कामना की। इसके बाद श्रद्धेय बलिराम कश्यप के आदशोंर् को स्मरण करते हुए लोगों के बीच मिष्ठान्न वितरण किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि बलिराम कश्यप ने अपना पूरा जीवन बस्तर और जनजातीय समाज की सेवा के लिए समर्पित कर दिया था। उनका सादा जीवन, जनसेवा के प्रति समर्पण और क्षेत्र के विकास के लिए संघर्ष आज भी सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

बलिराम दादा अमर रहें के नारों से गूंजा वातावरण : कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने बलिराम दादा अमर रहें के नारों के साथ उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। नारों से पूरा वातावरण श्रद्धा और उत्साह से गूंज उठा। कार्यक्रम के अंत में सभी ने संकल्प लिया कि बलिराम कश्यप के बताए मार्ग पर चलते हुए समाज सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

ये रहे उपस्थित : इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, दीपेश अरोरा, मनोज जैन, गोपाल दीक्षित, ओमप्रकाश टावरी, जितेंद्र सुराना, बालसिंह बघेल, प्रदीप नाग, नागेश देवांगन, शीतल पटेल, अमिताभ बोस, राजेश निर्मलकर, धन्सुदास, गोविंद रामटेके, आकाश दास, मयंक भोंसले सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

अंतर विश्वविद्यालयीन खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का कलेक्टर ने किया सम्मान

कोण्डागांव। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोंडागांव के उन विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया, जिन्होंने अंतर विश्वविद्यालयीन खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कलेक्टर ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अंतर विश्वविद्यालयीन पूर्व जोनध्दक्षिण पूर्व जोन खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर विभिन्न खेलों में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। शतरंज विपुल वासनिकर, फुटबॉल हिमांशु उसेंडी, राजेश कोर्राम, कबड्डी देवंतीन नेताम, बास्केटबॉल सुशांत नेताम, मोना दुग्गा, चांदनी कोर्राम, टेबल टेनिस परमीन नाग, अंशु तिवारी। इसी प्रकार राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में सुशीला नेताम ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल कर जिले और महाविद्यालय का नाम रोशन किया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई, अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर रश्मि पोया तथा क्रीड़ा अधिकारी एच.आर. यदु सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पेज 11 के शेष

नेशनल लोक अदालत की ...

निर्देशित किया गया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें, ताकि लोक अदालत का आयोजन सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

इस दौरान अधिकारियों को यह भी बताया गया कि नेशनल लोक अदालत में बैंक ऋण, विद्युत बिल, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, पारिवारिक विवाद, राजीनामा योग्य आपराधिक मामले तथा अन्य दीवानी मामलों का आपसी सहमति से निराकरण किया जाएगा। लोक अदालत के माध्यम से लोगों को न्यायालयीन प्रक्रिया में लगने वाले समय और खर्च से राहत मिलती है। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने विश्वास जताया कि सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से 14 मार्च को आयोजित नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन सुनिश्चित किया जाएगा और अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण संभव हो सकेगा।

कलेक्टर निलेश ने स्वयंसेवकों ...

उपरांत स्वयंसेवकों ने शिक्षकों द्वारा चिन्हांकित बच्चों के साथ विद्यालय अथवा समुदाय स्तर पर अध्यापन कार्य किया। कार्यक्रम की समाप्ति पर बच्चों की प्रगति रिपोर्ट समुदाय के साथ साझा की जा रही है। अध्यापन कार्य में सक्रिय एवं उत्कृष्ट योगदान देने वाले स्वयंसेवकों को संस्था द्वारा कलेक्टर सभा कक्ष में प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर कलेक्टर द्वारा सभी स्वयंसेवकों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी गईं। नवचेतना कार्यक्रम के अंतर्गत किए गए कार्यों का वीडियो के माध्यम से प्रस्तुतीकरण भी किया गया। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं लीडर माताओं ने अब तक किए गए कार्यों का अनुभव साझा किया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं लीडर माताओं को नारियल भेंट कर उनके कार्यों की सराहना की गई। कार्यक्रम में विपिन जैन जिला कार्यक्रम अधिकारी, अनुकूल पांडे जिला महिला बाल विकास अधिकारी तथा प्रथम टीम के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्रीवास सेन समाज के ...

के अध्यक्ष व मिडिया प्रभारी लोकेश्वर सेन ने बताया की बैठक में सर्व सहमति से कई प्रस्ताव पास किए गए जिसमें जिला सर्व सेन समाज ग्रामीण का गठन, ग्राम नाथिया नवागांव में आयोजित होने वाले केश शिल्पी सम्मेलन को निरस्त कर सरकार के पैसों का दुरुपयोग करने के आरोपी केश शिल्पी बोर्ड के अध्यक्ष नंदकुमार सेन के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। प्रशासन से आरोपों की जांच की मांग करने उर्मिला बाई ग्राम कुमुरकटटा जिला बालोद निवासी के दोनों पुत्रों की सड़क दुघर्टना में मृत्यु के पाश्चात्य क्लेम की राशि हड़पने के आरोपी प्रदेश सेन समाज के उपाध्यक्ष अविनाश ठाकुर सरगुजा के खिलाफ समाजिक निंदा प्रस्ताव पारित कर कार्यवाही करने की मांग प्रदेश सेन समाज से करने का निर्णय लिया गया। बैठक में बाल विवाह रोकने का संकल्प लिया गया। सम्मेलन में भानुप्रतापपुर ब्लाक अध्यक्ष भुनेश्वर सेन, पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष राजीव श्रीवास, संरक्षक दयालु राम सेन व राजेश्वरी सेन ने भी रखे। इस अवसर पर भुषण कौशिक, दयालु राम सेन, शैलेंद्र कौशिक, कैलाश सेन, अशोक कौशिक, अनिल सेन, मालती सेन, गैदेश्वरी सेन, तारा सेन, तिरबेनी सेन, टामिन सेन, रमशिला सेन, किर्ति सेन, गिता सेन, मोती सेन, कन्हैया लाल कौशिक, पुलेश कुमार सेन, रिद्धि सेन, कृष्णा श्रीवास, मुकेश सेन, कोमल सेन, केशुराम सेन, शत्रुधन सेन, शुभम सेन, कमलेश सेन, बीरु सेन, सुनील सेन, यशवंत सेन, बसंत सेन, कृपा सेन, टीका सेन, राधु सेन, रेखु सेन, धनेश सेन, चन्द्रभान सेन, मुकेश सेन, संजय सेन, बंशी लाल सेन, कौशल कुमार श्रीवास, तुलसी प्रसाद, केदारनाथ सेन , पुरुषोत्तम कौशिक, लक्ष्मी कांत सेन, कृपा राम सेन, सुनिल सेन, तामेश्वर सेन, श्यामला, मदन सेन, रेखराम सेन, अमित सेन, अनुप सेन, ओमप्रकाश सेन, सहित समाजिक जन उपस्थित रहे।

भूमिपूजन के साथ सुभाषपारा खेल...

गलत प्रचार किया जा रहा है कि बाउंड्री वॉल निर्माण के बाद मैदान को सरस्वती शिशु मंदिर को सौंप दिया जाएगा। अध्यक्ष ने इसे पूरी तरह गलत बताते हुए स्पष्ट किया कि यह मैदान नगर पंचायत की संपत्ति है और इसे किसी एक संस्था विशेष का मैदान नहीं माना जा सकता। बाउंड्री वॉल निर्माण के बाद भी मैदान नगर पंचायत के अधीन ही रहेगा और इसका उपयोग नगर के सभी नागरिकों के लिए पहले की तरह खुला रहेगा। भविष्य में इस मैदान का समुचित विकास किया जाएगा, ताकि यहां खेलकूद के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए भी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

लंबे समय से नगर के इस प्राचीन मैदान का उपयोग अव्यवस्थित तरीके से किया जा रहा था। कई बार यहां गिट्टी और रेत गिराकर इसे डंपिंग यार्ड की तरह इस्तेमाल किया जाता था, वहीं कुछ अवसरों पर इसे ट्रकों की पार्किंग स्थल के रूप में भी उपयोग किया जाता रहा है। ऐसे में मैदान की मूल पहचान और उपयोग प्रभावित हो रहा था। उन्होंने कहा कि यह मैदान नगर के खेल प्रेमियों को समर्पित होना चाहिए और बच्चों तथा युवाओं को एक अच्छा और सुरक्षित खेल मैदान उपलब्ध कराना आवश्यक है, ताकि खेल के प्रति उनकी रुचि बढ़े और वे खेल गतिविधियों में आगे बढ़ सकें। इसी परिसर में सांसद भोजराज नाग द्वारा स्वीकृत एक कक्ष के निर्माण के लिए भी भूमि पूजन किया गया।

आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वास्थ्य और पोषण सेवाओं पर जोर

सम्पूर्णता अभियान के तहत मना ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना के निर्देशन में तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी रेनू प्रकाश के मार्गदर्शन में जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में सम्पूर्णता अभियान के अंतर्गत ग्राम_य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए कार्ययोजना बनाकर शत–प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

■ 96 प्रतिशत आंगनबाड़ी केंद्रों में मना स्वास्थ्य दिवस

जानकारी के अनुसार फरवरी माह तक जिले के 96 प्रतिशत आंगनबाड़ी केंद्रों में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस मनाया गया। इस दौरान बच्चों का वजन मापकर उनके पोषण स्तर की जांच की गई और बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम के दौरान टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, स्वच्छता और हाथ धोने की आदत के बारे में जागरूक किया गया। किशोरी बालिकाओं की एनीमिया जांच की गई तथा गर्भवती महिलाओं को पोषण कार्यक्रम के तहत पंजीकृत हितग्राहियों को टीएचआर टेक होम राशन वितरण और चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया।

कुपोषण कम करने और मातृ स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान

इस अवसर पर बच्चों को गर्म पका हुआ भोजन भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में कुपोषण को कम करने और मातृ स्वास्थ्य में सुधार पर विशेष ध्यान दिया गया। गर्भवती महिलाओं को मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहने तथा स्वस्थ संतान के जन्म के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

विभिन्न विभागों के समन्वय से किया गया आयोजन

सम्पूर्णता अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन, पंचायत विभाग, स्वास्थ्य विभाग और अन्य विभागों के समन्वय से यह कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, ताकि सभी सेवाएं शत–प्रतिशत हितग्राहियों तक पहुंच सकें।

खबर संक्षेप

सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास बढ़ाने के बताए गए उपाय

गीदम। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कटेकल्याण वर्तमान संचालित जावंगा गीदम में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से 7 मार्च से 11 मार्च तक स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं किशोरावस्था जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय प्रशासन के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। डॉ. सविता रंगराज मेडिकल हेल्थ ऑफिसर द्वारा विद्यार्थियों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। इस सत्र में व्यक्तिगत स्वच्छता, दैनिक स्वास्थ्य आदतों के साथ-साथ गुड टच, बैड टच विषय पर भी विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। इसके पश्चात 9 मार्च को विद्यालय की स्टाफ नर्स द्वारा स्वास्थ्य परामर्श एवं किशोरावस्था से संबंधित मार्गदर्शन सत्र आयोजित किया गया।

आवास निर्माण में तेजी लाने लगा आवास चौपाल

बीजापुर। आवास निर्माण कार्य में तेजी लाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत पेद्दाकोरमा और पापनपाल में आवास चौपाल का आयोजन किया गया। इस चौपाल में आश्रित गांवों के जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए। चौपाल के दौरान अधिकारियों द्वारा सभी हितग्राहियों को स्वीकृत आवासों का निर्माण समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही विशेष परियोजना से संबंधित जिन हितग्राहियों के दस्तावेज लंबित हैं, उनके नाम सचिव द्वारा पढ़कर सुनाए गए और आवश्यक दस्तावेज शीघ्र जमा करने की जानकारी दी गई।

जनगणना के प्रथम चरण में भवन, मकानों पर नंबर अंकन संबंधी हुई बैठक

हरिभूम न्यूज ▶▶ दरभा

जनपद पंचायत के सभागार मे बुधवार को 2026-27 जनगणना का प्रथम चरण प्रारंभ किया गया है। इस चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जा रहा है, जिसमें घर-घर जाकर भवन, मकान नम्बर अंकन, अनुमानित परिवार संख्या, मुखिया का नाम, निवास का स्वरूप आवासीय/अनावासीय सहित अन्य आवश्यक जनगणना संबंधी आंकड़ों का संग्रहण किया जा रहा है। उक्त कार्य को सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से संपादित करने के उद्देश्य से एसडीएम शंकर लाल सिन्हा तहसीलदार सुनील धुर्व द्वारा दरभा जनपद पंचायत के सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनगणना के प्रथम चरण के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसमें मकान नम्बरिंग की प्रक्रिया, सूचीकरण के दौरान सावधानियां, घर-घर भ्रमण की कार्ययोजना, अभिलेखों की शुद्धता, समय-सीमा के पालन तथा आम नागरिकों से समन्वय बनाकर कार्य करने पर विशेष जोर दिया गया। इसी के साथ ही यह भी बताया गया कि जनगणना कार्य राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, जिसमें सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण निष्ठा, जिम्मेदारी एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। बैठक में जनगणना कार्य के दौरान आने वाली व्यवहारिक समस्याओं एवं उनके समाधान पर भी चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। अंत में जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने हेतु आपसी समन्वय, अनुशासन एवं निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने को कहा गया। इस दौरान उपयंत्री, पंचायत समन्वयक, ग्रामीण विकास विस्तार अधिकारी, ब्लॉक समन्वयक, समग्र सुरक्षा अधिकारी, आंगनवाड़ी सुपरवाइज़र, पंचायत सचिव एवं सहायक सचिव की उपस्थिति रही।

सरकार की उदासीनता से नाराज किसान

इंद्रावती एनीकेट की मरम्मत के लिए किसानों को खुद उठाना पड़ा फावड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ घाटलोहंगा

इंद्रावती नदी पर स्थित भोंड एनीकेट की जर्जर स्थिति को लेकर क्षेत्र के किसान लंबे समय से मरम्मत की मांग कर रहे थे, लेकिन जिला प्रशासन और जल संसाधन विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

प्रशासन की लगातार उदासीनता से नाराज़ होकर अब किसानों ने स्वयं ही एनीकेट की मरम्मत करने का निर्णय लिया है। इंद्रावती नदी बचाओ संघर्ष समिति के नेतृत्व में प्रभावित किसान फावड़ा, तगाड़ी और ट्रैक्टर लेकर एनीकेट स्थल पहुंचे और श्रमदान के माध्यम से बोरी बंधन कर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया। जनपद पंचायत सदस्य हेमराज बघेल ने बताया इंद्रावती नदी पर बने एनीकेट की हालत लंबे समय से खराब है, जिसके कारण सिंचाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही है। इससे खेती-किसानी पर गंभीर संकट मंडरा रहा है और पिछले वर्षों में कई किसानों की फसलें बर्बाद हो चुकी हैं। किसानों ने कई बार जिला प्रशासन और जल संसाधन विभाग को आवेदन और निवेदन पत्र देकर एनीकेट की मरम्मत कराने की मांग की, लेकिन एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। किसानों का आरोप है कि पहले भी उन्होंने बोरी बंधन कर अस्थायी रूप से एनीकेट को बचाने की कोशिश की थी और प्रशासन से आग्रह किया था कि जल्द से जल्द स्थायी मरम्मत कराई जाए। इसके बावजूद प्रशासन ने किसानों की मांगों को गंभीरता से नहीं लिया। इसी कारण इस बार किसानों ने फिर से खुद ही एनीकेट की मरम्मत करने का निर्णय लिया। किसानों ने बताया कि इस काम के लिए किसी प्रकार का सरकारी बजट या सहायता उपलब्ध नहीं है, बल्कि किसान स्वयं आपस में चंदा इकट्ठा कर बोरी बंधन का कार्य कर रहे हैं। इंद्रावती नदी के प्रभावित किसानों ने बताया कि पिछले साल भी उन्होंने अपनी आंखों के सामने कई किसानों की फसलें बर्बाद होते हुए देखी हैं। इस साल किसानों को उम्मीद थी कि सरकार और प्रशासन समय रहते एनीकेट की मरम्मत करा देंगे, ताकि सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सके। लेकिन जब सरकार और प्रशासन की ओर से कोई पहल नहीं हुई, तो किसानों की उम्मीदें टूट गईं और उन्होंने खुद ही मरम्मत कार्य शुरू कर दिया। नारायणपाल के निवासी मनीराम बघेल ने बताया कि इंद्रावती बेसिन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नियुक्त होने के बाद उन्हें उम्मीद थी कि अब इंद्रावती नदी से प्रभावित किसानों की समस्याओं का समाधान होगा। लेकिन किसानों का आरोप है कि प्राधिकरण का यह पद सिर्फ नाम मात्र का बनकर रह गया है और जमीन पर कोई काम दिखाई नहीं दे रहा है।

■ किसान चंदा इकट्ठा कर बोरी बंधन का कर रहे कार्य

इंद्रावती बेसिन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष शरद अवस्थी की चुप्पी भी कई सवाल खड़े कर रही है। इंद्रावती नदी बचाओ संघर्ष समिति के मीडिया प्रभारी लक्ष्मण बघेल ने कहा कि सरकार खुद को किसानों की हितैषी बताती है और सुशासन का दावा करती है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। यदि किसान खुद चंदा करके एनीकेट की मरम्मत करने को मजबूर हैं, तो यह सरकार और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि सुशासन के दौर में किसान खुद अपने संसाधनों से नदी पर बने एनीकेट की मरम्मत कर रहे हैं। इस दौरान इंद्रावती नदी बचाओ संघर्ष समिति के सचिव सुभाष कश्यप, मीडिया प्रभारी लक्ष्मण बघेल, मनी बघेल, बलदेव बघेल, समदू बघेल, डमरू बघेल, युवराज ठाकुर, चंदन ठाकुर, मंबोध बघेल, जग्गू ठाकुर, नेपाल ठाकुर, दिनेश मौर्य, दया बघेल, मनीष ठाकुर, झापू ठाकुर, हिमान ठाकुर सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

माताओं की सहभागिता से सजा शिक्षा का आंगन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

कन्या आवासीय विद्यालय बीजापुर में जिला स्तरीय अंगना मा शिक्षा एवं माता उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी एवं पार्षदगण द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक के रुप घासीराम नाग विशेष रूप से उपस्थित थे।

■ कन्या आवासीय विद्यालय में अंगना मा शिक्षा व माता उन्मुखीकरण कार्यक्रम

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित माताओं का सम्मान किया गया तथा शिक्षा से जुड़ी अनेक रोचक एवं प्रेरक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एफएलएन बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान मेला भी आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षा से संबंधित विभिन्न स्टॉल लगाए गए। सभी अतिथियों और माताओं ने मेले का अवलोकन कर गतिविधियों का आनंद लिया और बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को करीब से समझा।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी लखन लाल धनेलिया एवं जिला परियोजना समन्वयक गुडला शंकर रेड्डी ने उपस्थित माताओं को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा में माताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में एपीसी विजेंद्र सिंह भदौरिया, बीआरसी राजेश मिश्रा, उमेश्वरी साहू, वसीम खान, रमन झा सहित शिक्षा विभाग के सभी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सहायक आयुक्त ने आश्रम-छात्रावासों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दंतेवाड़ा

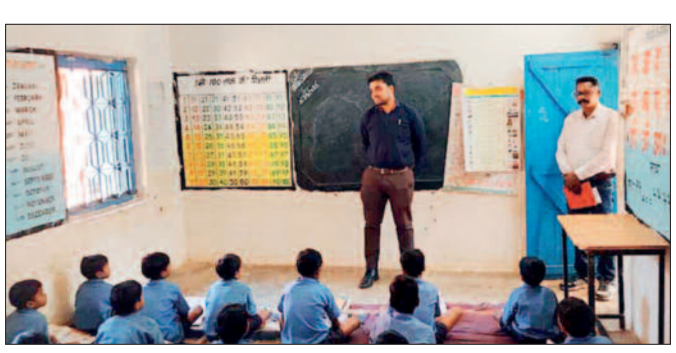

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग राजीव नाग द्वारा जिले के विभिन्न आश्रम एवं छात्रावासों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संस्थाओं की व्यवस्थाओं, बच्चों की उपस्थिति, भोजन व्यवस्था, साफ-सफाई तथा पंजी संधारण का अवलोकन किया गया। इस दौरान जहां कुछ संस्थाओं में व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं, वहीं कई स्थानों पर लापरवाही सामने आने पर संबंधित अधीक्षकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

■ लापरवाही मिलने पर अधीक्षकों को नोटिस

निरीक्षण के दौरान बालक आश्रम बिंजाम में अधीक्षक बिना किसी सूचना के अनुपस्थित पाए गए। संस्था में स्वीकृत 50 सीटों और 50 प्रवेशित छात्रों के विरुद्ध निरीक्षण के समय मात्र 24 बच्चे उपस्थित मिले, जबकि अनुपस्थित छात्रों का आगंतुक पंजी में कोई उल्लेख नहीं पाया गया। आश्रम में बच्चों के चादर और गद्दे फटे-पुराने पाए गए तथा साफ-सफाई की स्थिति भी संतोषजनक नहीं थी। शिष्यवृत्ती मद से मिलने वाली राशि के उपयोग में भी अनियमितता पाई गई। इस पर अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब सहित कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

3 मार्च को प्री-मैट्रिक अजजा बालक छात्रावास बडेतुमनार के निरीक्षण के दौरान अधीक्षक एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए। संस्था में स्वीकृत 170 सीट और 240 प्रवेशित छात्रों के बावजूद उपस्थिति बहुत कम पाई गई। परिसर में बिजली बोर्ड और वायरिंग खराब स्थिति में मिले, जबकि अनुरक्षण मद से 40 हजार रुपये की राशि पूर्व में प्रदान की जा चुकी है। साथ ही शिष्यवृत्ति की 15 प्रतिशत राशि से बच्चों को आवश्यक सामग्री प्रदान नहीं किए जाने की बात भी सामने आई। इस लापरवाही पर अधीक्षक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

6 मार्च को किए गए निरीक्षण में एक संस्था में अधीक्षक विजय कुंजाम उपस्थित पाए गए और संस्था में साफ-सफाई की स्थिति पर्याप्त पाई गई। मेस कक्ष व्यवस्थित मिला। अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखें और किसी भी छात्र के अस्वस्थ होने पर तत्काल स्वास्थ्य उपचार कराते हुए इसकी सूचना अभिभावकों एवं मंडल संयोजक को दें तथा हेल्थ कार्ड में संबंधित जानकारी दर्ज करें। साथ ही पंजीयों का नियमित संधारण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। इसी दिन एक अन्य छात्रावास में अधीक्षक लक्ष्मीनाथ नाग उपस्थित पाए गए। स्वीकृत 100 सीटों के विरुद्ध 97 छात्रों की उपस्थिति संतोषजनक रही।

बीजापुर की 25 ग्राम पंचायतें बाल विवाह मुक्त घोषित

बीजापुर। बाल विवाह जैसी कुप्रथा के उन्मूलन की दिशा में जिला बीजापुर ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 10 मार्च 2024 को शुरू किए गए बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के सकारात्मक परिणाम अब जिलों में दिखाई देने लगे हैं। छत्तीसगढ़ शासन ने वर्ष 2025-26 से 2028-29 तक पूरे प्रदेश को बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी कड़ी में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जिले की 40 प्रतिशत ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए जिला बीजापुर के 4 विकासखंडों की 25 ग्राम पंचायतों का चयन किया गया। इन पंचायतों में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप क्षमता वर्धन, जनजागरूकता अभियान, ग्राम स्तरीय बैठकें, संवाद कार्यक्रम और सामाजिक जागरूकता गतिविधियां संचालित की गईं। इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। ग्राम पंचायतों से प्राप्त जानकारी के अनुसार इन 25 ग्राम पंचायतों में पिछले दो वर्षों से एक भी बाल विवाह का मामला सामने नहीं आया है और न ही किसी प्रकार की सूचना प्राप्त हुई है। इसके आधार पर संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिव द्वारा इन पंचायतों को 'बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत होने का प्रमाण पत्र जारी किया गया है।

जिला न्यायालय परिसर में महिलाओं का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दंतेवाड़ा

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण न्याय सदन में महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संतोष कुमार आदित्य ने की।

■ महिलाओं से संबंधित विभिन्न विधिक अधिकारों की दी जानकारी

समारोह का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सहित महिला अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में न्यायाधीशगण, न्यायालयीन कर्मचारीगण, अधिवक्तागण, लोक अभियोजक, अभियोजन अधिकारी, एलएडीसीएस काउंसिल एवं स्टाफ, न्यायालयीन सुरक्षा तथा चिकित्सीय सेवाओं में सहयोग करने वाले कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संतोष कुमार आदित्य ने उपस्थित नागरिकों को महिलाओं से संबंधित विभिन्न विधिक अधिकारों की जानकारी देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महिला अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी अपने उद्बोधन में महिला सशक्तिकरण, शिक्षा के महत्व तथा लैंगिक समानता पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि समाज के समग्र विकास के लिए महिलाओं को समान अवसर और सम्मान मिलना आवश्यक है।

समारोह के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा महिला न्यायाधीशगण, महिला न्यायालयीन कर्मचारीगण, महिला अधिवक्तागण, महिला लोक अभियोजक, महिला अभियोजन अधिकारी तथा न्यायालयीन सुरक्षा एवं चिकित्सीय सेवाओं में सहयोग देने वाली महिला कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने महिला शिक्षा, समानता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का संकल्प भी लिया। वक्ताओं ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य, नेतृत्व और समान वेतन जैसे क्षेत्रों में लैंगिक समानता को आगे बढ़ाना है।

नवनिर्मित भवन से बच्चों की पढ़ाई में और अधिक बढ़ेगी रुचि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

बीजापुर विकासखंड के सुदूर क्षेत्र नियद नेल्लानार गांव पालनार में शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। शासकीय प्राथमिक शाला मझारपारा, पालनार के नवनिर्मित विद्यालय भवन का विधिवत उद्घाटन ग्राम सरपंच मालती ताती एवं वार्ड पंच सुमित ताती के करकमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर गांव में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी बीजापुर नागेश्वर निषाद, बीआरसी राजेश मिश्रा, सब इंजीनियर शैलेश वासम, प्रधानाध्यापक राजू पुजारी, विद्यालय के शिक्षक-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। नवीन विद्यालय भवन के निर्माण से अब विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्राप्त होगा। आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस भवन के माध्यम से बच्चों की पढ़ाई में और अधिक रुचि बढ़ेगी तथा शिक्षा की गुणवत्ता में भी सकारात्मक सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से अंदरूनी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, स्कूल, अस्पताल, आंगनबाड़ी और सड़कों जैसी बुनियादी सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। जिन इलाकों में कभी माओवाद के कारण शासकीय योजनाओं का विस्तार कठिन था, वहां अब विकास की नई गाथा लिखी जा रही है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी व राजनीतिक दलों ने किया ईवीएम, वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दंतेवाड़ा

भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार ईवीएम, वीवीपैट मशीनों का त्रैमासिक निरीक्षण किये जाने के निर्देश दिए गए है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार 11 मार्च को उप जिला निर्वाचन अधिकारी मूलचंद चोपड़ा ने कलेक्टोरेट परिसर में स्थित ईवीएम, वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने वेयर हाउस की सुरक्षा, वहां स्थित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के रखरखाव, बैलट यूनिट, कंट्रोल यूनिट, व्ही व्ही पीएटी मशीन, सीसी टीवी कैमरे, अग्नि से सुरक्षा परिसर की सुरक्षा सहित अन्य बिंदुओं के बारे मे जानकारी लेते अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं निर्वाचन सुपरवाइजर अजय नायक सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

बच्चों के सीखने को सरल व प्रभावी बनाने पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बस्तर

बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता एफएलएन तथा बहुभाषी शिक्षा एमएलई के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर 11 मार्च को जगदलपुर में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला भाषा और शिक्षण फाउंडेशन के तत्वाधान से आयोजित की गई, जिसमें विकासखंड स्तर के शिक्षा अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बलीराम कश्यप जिला शिक्षा अधिकारी तथा अशोक पांडे डीएमसी उपस्थित रहे। कार्यशाला में बीईओ, एबीईओ, बीआरसी सहित एलएलएफ के प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। कार्यशाला के दौरान एफएलएन के लक्ष्यों, प्रारंभिक कक्षाओं में भाषा अधिगम को मजबूत बनाने तथा बहुभाषी शिक्षा के माध्यम से बच्चों के सीखने को सरल एवं प्रभावी बनाने पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथियों ने कहा कि प्रारंभिक कक्षाओं में मजबूत आधार तैयार करना बच्चों के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है और इसके लिए सभी शैक्षणिक अधिकारियों एवं शिक्षकों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा। कार्यशाला में एलएलएफ के विशेषज्ञों द्वारा भी एफएलएन एवं एमएलई से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया गया। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को शिक्षा की गुणवत्ता सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

खबर संक्षेप

निकाय कर्मचारी यूनियन ने कलेक्टर को सौंपा मांग पत्र

कांकेर। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन ने 9 सूत्रीय मांग को लेकर मांग पत्र जिलाधीश को सौंपा और मांगो का निराकरण के लिए आग्रह किया। मांग पत्र के माध्यम से कहा गया कि पिछले 4 माह से यूनियन ने जिला के संबंधित निकाय के अधिकारी को मांग पत्र सौंपकर मांगों के निराकरण करने का आग्रह किया था, लेकिन मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने यूनियन को सिर्फ झूठे आश्वासन देते रहे और भ्रमित करते रहे। इस संबंध यूनियन ने कलेक्टर से सीएमओ की उदासीन रुख का भी उल्लेख किया और मांग पत्र में यह भी जिक्र किया कि अभी तक भानुप्रतापपुर और चारामा में प्लेसमेंट कर्मचारियों को ईएसआई कार्ड वितरित नहीं किया गया। मांगपत्र में कर्मचारियों के सलाना बोनस, प्रत्येक माह के 10 तारीख तक वेतन भुगतान,वेतन पूर्व कर्मचारियों को वेतन पर्ची उपलब्ध कराना,सुरक्षा उपकरण,प्लेसमेंट एजेंसी के साथ माह में एक बार बैठक आयोजित करना प्रमुख है। यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधीश से आग्रह किया है, उनकी उपस्थिति में त्रिपक्षीय बैठक जिसने श्रम पदाधिकारी, नगर निकायों के सीएमओ और यूनियन के प्रतिनिधि आहूत की जाए, जिसपे जिलाधीश ने अप्रैल माह में यह बैठक आहूत करने का आश्वासन यूनियन के प्रतिनिधिमंडल को दिया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में यूनियन के अध्यक्ष द्वारका कोसरिया, महासचिव भाव सिंह कश्यप, राकेश बिछिया, अरुण बाल्मीकि, सोनू रजक, राज रजक उपस्थित रहें।

विश्व ग्लूकोमा सप्ताह 14 तक जारी, आयोजित की गई रैली

कांकेर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा अंधत्व एवं अल्पदृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत 08 से 14 मार्च तक विश्व ग्लूकोमा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध कोमलदेव जिला चिकित्सालय से नगर के मुख्य मार्गों में विश्व ग्लूकोमा सप्ताह के उपलक्ष्य में रैली आयोजित की गई तथा नागरिकों को इसके लक्षण और परीक्षण के संबंध में जागरूक किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरसी ठाकुर ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि ग्लूकोमा एक काला मोतिया आंखों का रोग है, यह बीमारी 40 वर्ष से अधिक उम्र वालों को होती है।इस दौरान नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. मोनिका महिलांग तथा अंधत्व एवं अल्पदृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. सरिता कुमेटी द्वारा ग्लूकोमा के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

नेशनल लोक अदालत की तैयारी को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक

कांकेर। आगामी शनिवार 14 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत की तैयारियों एवं अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला न्यायालय कांकेर में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष संजीव कुमार टामक द्वारा की गई। बैठक में बैंक, नगरपालिका, विद्युत एवं दूरसंचार विभाग के अधिकारियों से न्यायालयों में लंबित प्रकरणों को अधिकतम संख्या में राजीनामा, समझौते के माध्यम से नेशनल लोक अदालत में निराकृत कराने पर विशेष बल दिया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिन प्रकरणों में समझौते की संभावना है, उनकी सूची शीघ्र तैयार कर संबंधित न्यायालयों में प्रस्तुत करें।

मोर गांव, मोर पानी अभियान जारी, ग्रामों में जल की आत्मनिर्भरता बढ़ाने की कवायद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

जिले के गिरते भू-जल स्तर को रोकने और भविष्य के लिए पानी सहेजने की दिशा में मोर गांव, मोर पानी महाभियान एक नई क्रांति लिख रहा है। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान ने विशेष रूप से पहाड़ी क्षेत्रों में जल संचयन की तस्वीर बदल दी है। इस महाअभियान में जल संरक्षण के लिए कुल 3 हजार 443 स्ट्रक्चर जिनमें मुख्यतः ट्रेंच, लूज बोल्डर, गैबियन, चेकडैम, सोक पिट, चेकडैम के साथ डबरी निर्माण के कार्य किए जा रहे हैं, जिसमें आगामी वर्षा ऋतु उपरांत बारिश के जल को संरक्षित किया जा सकें । इस महाभियान में कंटूर ट्रेंच निर्माण को केन्द्रित किया गया है, जो वर्षा जल को रोकने में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी ने बताया कि जिले में अब तक 58 कंटूर ट्रेंच के कार्य कराए गए हैं। इनके माध्यम से कुल 43 हजिर 500 ट्रेंच खोदी गई हैं। मुख्य रूप से कोकानपुर, आलबेड़ा, कापसी, धनेलीकन्हार जैसी ग्राम पंचायतों में यह कार्य प्रमुखता से हुए हैं। उन्होंने बताया कि इसकी कार्ययोजना बनाने में आधुनिक जीआईएस (जियोग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम) तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इसकी मदद से रिज टू वैली (पहाड़ी से घाटी तक) सिद्धांत पर आधारित स्ट्रक्चर्स की प्लानिंग की गई है, ताकि बारिश का पानी व्यवस्थित तरीके से संरचनाओं में एकत्र हो और अधिकतम जल संचयन हो सके।

43 हजार से अधिक कंटूर ट्रेंच के माध्यम से किया जाएगा वर्षा जल का संरक्षण

कंटूर ट्रेंच का महत्व

कंटूर ट्रेंच दरअसल पहाड़ी ढलानों पर समान ऊंचाई वाली रेखाओं पर खोदी गई खाइयां होती हैं। जिले की विषम भौगोलिक परिस्थिति को देखते हुए प्रशासन ने इसे प्राथमिकता दी है। पहाड़ों के ढलान से नीचे आने वाले वर्षा जल को ये ट्रेंच बीच में ही रोक लेते हैं। पानी रुकने से वह मिट्टी के अंदर रिसता है, जिससे नीचे स्थित गांवों के कुओं और हैंडपंपों का जलस्तर बढ़ जाता है। यह तकनीक उपजाऊ मिट्टी को भी बहने से रोकती है, जिससे मिट्टी कटाव कम होता है व क्षेत्रों में हरियाली बढती है।

मनरेगा से ग्रामीणों को मिला बड़ा आर्थिक सहारा

जल संरक्षण के ये कार्य न केवल पर्यावरण बचा रहे हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ भी साबित हो रहे हैं। इन कार्यों के माध्यम से अब तक जिले में 5 हजार 668 मानव दिवस का रोजगार सृजित किया जा चुका है। ग्रामीणों को लगभग 14 लाख 86 हजार रुपए की मजदूरी का भुगतान सीधे उनके खातों में किया गया है।

प्रयोगशाला, पुस्तकालय, कंप्यूटर कक्ष और डिजिटल कक्षाओं का भी किया निरीक्षण

पुलिस अधीक्षक निखिल ने किया पीएमश्री सेजेस नरहरपुर में विद्यार्थियों को मोटीवेट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नरहरपुर

जिले के पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने बुधवार 11 मार्च को पीएमश्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नरहरपुर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्थाओं, अधोसंरचना तथा विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली और विद्यार्थियों से सीधे संवाद करते हुए उन्हें प्रेरित किया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं का अवलोकन किया और शिक्षकों से पढ़ाई की पद्धति तथा विद्यार्थियों की प्रगति के बारे में चर्चा की। उन्होंने प्रयोगशाला, पुस्तकालय, कंप्यूटर कक्ष और डिजिटल कक्षाओं का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों और व्यवस्थाओं की सराहना की। विद्यालय भ्रमण के दौरान एसपी राखेचा ने छोटे बच्चों से भी आत्मीय बातचीत की। उन्होंने बच्चों से पूछा कि वे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं। इस पर बच्चों ने उत्साहपूर्वक अपने-अपने सपनों के बारे में बताया। किसी ने एयर फोर्स में जाने की इच्छा जताई तो किसी ने डॉक्टर, पेंटर और अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ने की बात कही।

लक्ष्य के प्रति मेहनत और अनुशासन बनाए रखने की प्रेरणा दी

बच्चों के उत्साह और आत्मविश्वास को देखकर पुलिस अधीक्षक ने उनकी सराहना की और उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति मेहनत और अनुशासन बनाए रखने की प्रेरणा दी। उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया और उन्हें जीवन में सफलता पाने के लिए निरंतर अध्ययन, सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि हर छात्र में प्रतिभा होती है, जरूरत है उसे सही दिशा और मार्गदर्शन देने की। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डिलेश्वर साव ने पुलिस अधीक्षक को विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विद्यालय में आधुनिक सुविधाओं से युक्त प्रयोगशाला, समृद्ध पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब और डिजिटल कक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन मिलने से विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों का उत्साह और कार्यक्षमता बढ़ती है। निरीक्षण के अंत में विद्यालय के प्राचार्य सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा का आभार व्यक्त किया और उनके मार्गदर्शन को विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया।

महतारी वंदन योजना की प्राप्त राशि से महिलाओं ने शुरू किया सिलाई कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

छत्तीसगढ़ राज्य सरकार की जनकल्याणकारी महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। इस योजना के तहत महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे वे अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनने की ओर भी कदम बढ़ा रही हैं।

कांकेर नगर के लट्टीपारा निवासी शमीम बानो ने अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। शमीम बानो सिलाई का काम करती हैं और अपने हुनर के दम पर परिवार की मदद करती हैं। उन्होंने बताया कि पहले सीमित साधनों के कारण उनके काम में कई कठिनाइयां आती थीं। कपड़ा, धागा और अन्य जरूरी सामग्री खरीदने में उन्हें परेशानी होती थी, जिससे उनका काम प्रभावित होता था। लेकिन जब से उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने एक हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलने लगी है, तब से उनके काम में नई गति आ गई है। इस राशि का उपयोग वे सिलाई कार्य से जुड़ी आवश्यक सामग्री खरीदने में करती हैं। अब उनके पास काम करने के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं, जिससे उनकी आय भी धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। इस योजना ने उन्हें आर्थिक सहारा ही नहीं दिया, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ाया है। अब वे पहले से अधिक लगन और उत्साह के साथ सिलाई का काम कर रही हैं। उनके बनाए कपड़ों की मांग भी आसपास के लोगों में बढ़ने लगी है। वे राज्य सरकार की इस सराहनीय पहल के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में बुनियादी बदलाव लाने का सशक्त माध्यम बन रही है। यह योजना न केवल आर्थिक सहायता देती है, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर भी बना रही है।

जनगणना के प्रगणक और सुपरवायजरों का प्रशिक्षण, ब्लाकों की मानिटरिंग एप से होगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भानुप्रतापपुर

कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी कांकेर के निर्देशानुसार और अनुविभागीय अधिकारी रा भानुप्रतापपुर एवं अनुभाग जनगणना अधिकारी के मार्गदर्शन में आज भानुप्रतापपुर ग्रामीण चार्ज के सभी 110 ग्रामों के प्रगणकों एवं सुपरवायजरों का प्रशिक्षण तहसील सभा कक्ष भानुप्रतापपुर में आयोजित किया गया।

तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी सुरेंद्र उर्वशा ने कहा कि भारत की जनगणना का कार्स दो चरणों में किया जावेगा। प्रथम चरण 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का होगा। जबकि दुसरे और अंतिम चरण फरवरी मार्च 2027 में जनसख्या की गणना की जावेगी। जनगणना 2027 के लिए संदर्भ तारीख 01 मार्च 2027 के 00.00 बजे होगी। जिसका तात्पर्य यह है कि 1 मार्च 2027 को जनसंख्या के आंकडे प्राप्त किए जाएंगे। सभी प्रगणको एवं सुपरवायजरों से इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को समय सीमा में पूर्ण निष्ठा एवं लगन के साथ करने की अपील की। मास्टर ट्रेनर्स टिकेश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि सबसे पहले मकान सूचीकरण के पूर्व सभी सुपरवायजर एवं प्रगणक अपने अपने गणना ब्लाकों का चिन्हांकन कर लें। भानुप्रतापपुर ग्रामीण चार्ज में कुल 160 गणना ब्लाक बनाए गए है। गणना ब्लाक अधिकतम 200 मकान एवं अधिकतम 800 की जनसंख्या के आधार पर बनाया गया है। इसी प्रकार प्रति 6 गणना ब्लाक के पीछे एक सुपरवायजर बनाये गये है। सभी सुपरवायजर अपने अपने गणना ब्लाकों की सतत मानिटरिंग करेंगे।

इस बार का जनगणना पूरी तरह डिजीटाईज होगा। सभी प्रगणकों एवं सुपरवायजरों को एक एक यूनिक आई डी बनाया जावेगा। सभी कार्य मोबाईल एप्प के माध्यम से होगा। जनगणना 2027 पूर्व की जनगणना से पूरी तरह भिन्न होगी। क्योकि इस बार आंकडों के संकलन में डिजीटल तकनीक का उपयोग किया जावेगा।जिससे त्वरित रूप से डिजिटाईड आंकडे उपलब्ध हो पायेंगे एवं समय सीमा में आंकडों का प्रकाषन किया जा सकेगा। जनगणना 2027 में मकान सूचीकरण के लिए और जनसंख्या की गणना के लिए मोबाईल एप अनराईड वर्जन से कार्य किया जावेगा। सुपरवायजर भी अपने अपने गणना ब्लाकों की मानिटरिंग एप के माध्यम से ही कर पायेंगे। मकानसूचीकरण कार्य के पहले सभी अपने अपने गणना ब्लाकें में जाकर नजरी नक्षा तैयार कर लें जिसे भी अपलोड करना होगा।

आज के प्रशिक्षण में तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी सुरेंद्र उर्वशा, मास्टर ट्रेनर्स टिकेश्वर सिंह ठाकुर, एबीओ मुकेश सोनवानी,अशोक ठाकुर, विकास कोमरे के साथ साथ सभी सुपरवायजर एवं प्रगणक उपस्थित रहें।

वीडियो वायरल होने के बादर कांग्रेस नेताओं ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्गुकोंदल के अध्यक्ष धनेश नरेटी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुर्गुकोंदल का औपचारिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान वहां भर्ती मरीजों से बातचीत की और उपचार से जुड़ी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। जनप्रतिनिधियों ने मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिए अस्पताल प्रबंधन से आवश्यक कदम उठाने की बात कही। इस दौरान अस्पताल के बीएमओ डॉ. मनोज किशोरे से भी चर्चा की गई। नेताओं ने उनसे कहा कि अस्पताल में भर्ती मरीजों को समय पर और बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जाए, ताकि किसी भी मरीज को इलाज के लिए परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। जनप्रतिनिधियों ने बीएमओ को निर्देश देते हुए कहा कि नर्सों की ड्यूटी समयानुसार लगाई जाए, जिससे मरीजों को लगातार देखभाल और उपचार मिल सके। साथ ही अस्पताल की साफ-सफाई, दवाइयों की उपलब्धता और अन्य व्यवस्थाओं पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही गई।निरीक्षण के दौरान नेताओं ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं आम लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर सुविधा मिलना आवश्यक है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यदि अस्पताल में किसी प्रकार की कमी सामने आती है तो उसे दूर करने के लिए संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक पहल की जाएगी।

ग्राम कलमुच्चे में 13 को जनसमस्या निवारण शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

आमजनता की समस्याओं के समाधान के लिए कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन शुक्रवार 13 मार्च को कांकेर विकासखण्ड के कलमुच्चे में जनसमस्या निवारण शिविर लगाया जाएगा। इसमें ग्राम पंचायत कलमुच्चे, पीढ़ापाल, मुरागांव, तुलतुली, मांदरी, कुरिष्टिकुर, कोकपुर, मालगांव, कोड़ेजुंगा और बारदेवरी ग्राम पंचायत के ग्रामीण अपनी मांगों व समस्याओं के समाधान के लिए शिविर में उपस्थित होंगे। उक्त शिविर में शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने के लिए ग्रामीणों को प्रोत्साहित किया जाएगा और साथ ही योजनाओं का लाभ उठाने में कोई कठिनाई आ रही हो तो उसका समाधान भी शिविर में मौके पर किया जाएगा। कलेक्टर ने जनसमस्या निवारण शिविर में जिला, संबंधित ब्लॉक स्तरीय एवं क्लस्टर स्तर के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर ग्रामीणों की विभिन्न मांगों और समस्याओं का यथासंभव मौके पर निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

तुरंत आराम के लिए
तुलसी आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पता - तुलसी निवास, बस स्टैंड के पीछे, उपाध्याय नर्सिंग होम के सामने, धमतरी मो.नं. : 9993010732
लकवा रोग, वातरोग - सभी प्रकार के दर्द, गठियाबात, साइटिका, झुनझुनी वात, कमरदर्द, घुटना दर्द, अकड़न, नस रोग का इलाज
चर्मरोग - दाद, खुजली, केमची, मुंह में छाला होना का इलाज
पेट रोग - कब्ज, गैस, भूख न लगना, खट्टी डकार आना का इलाज
बवासीर - मस्सा होना, खून निकलना, खुजली होना का इलाज
पुरूष रोग - धातुस्राव, शीघ्रपतन व कमजोरी का इलाज
स्त्री रोग - लाल, सफेद पानी आना, मासिक रुकावट का इलाज
बुखार, खांसी, स्वांसरोग, मूत्ररोग, केशरोग, दांतरोग का इलाज

विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा ग्राम से आए पालकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया

सातवीं के विद्यार्थियों ने कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों को दी भावभीनी विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरोना

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सारवंडी में कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों द्वारा कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का माहौल भावनात्मक और उत्साहपूर्ण रहा, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा ग्राम से आए पालकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती माता के पूजन और वंदना के साथ की गई। इसके बाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कक्षा आठवीं के समस्त छात्र-छात्राओं तथा विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया। कक्षा छठवीं और सातवीं के विद्यार्थियों ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ और सम्मान के साथ स्वागत किया।समारोह के दौरान सभी शिक्षकों तथा ग्राम से आए पालकगण ने कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई में मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों से विद्यालय में बिताए गए अपने तीन वर्षों के अनुभव साझा करने के लिए भी कहा गया। विद्यार्थियों ने विद्यालय के साथ अपने जुड़ाव, शिक्षकों के मार्गदर्शन और दोस्तों के साथ बिताए पलों को याद करते हुए भावुक क्षण साझा किए। कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों द्वारा कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन भी किया गया, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। विदाई के इस अवसर पर कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों ने भी विद्यालय को स्मृति चिन्ह भेंट कर अपने विद्यालय के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। समारोह के अंत में शाला प्रबंधन समिति की उपाध्यक्ष केसर निषाद द्वारा विदाई समारोह के उपलक्ष्य में सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अतिथियों के लिए न्यौता भोजन की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम के दौरान चैत राम मरकाम, गोपेश साहू व पालकगण तथा शाला प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित रहें।